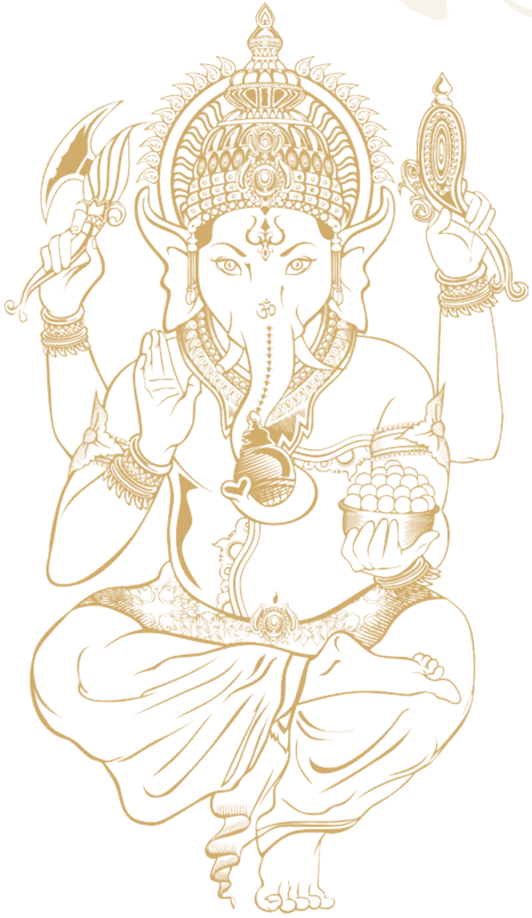

# Ankit Dixit

23 May 2002

05:00 PM

Unnao

Model: web-freekundliweb

Order No: 120179202

| | |
|---|---|
| लिंग | पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | **23/05/2002** |
| दिन | गुरुवार |
| **जन्म समय** | **17:00:00 घंटे** |
| इष्ट | 29:15:29 घटी |
| **स्थान** | **Unnao** |
| राज्य | Uttar Pradesh |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 26:32:00 उत्तर |
| रेखांश | 80:30:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | -00:08:00 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 16:52:00 घंटे |
| वेलान्तर | 00:03:18 घंटे |
| साम्पातिक काल | 08:55:38 घंटे |
| सूर्योदय | 05:17:48 घंटे |
| सूर्यास्त | 18:51:56 घंटे |
| दिनमान | 13:34:08 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | उत्तरायण |
| सूर्य स्थिति(गोल) | उत्तर |
| ऋतु | ग्रीष्म |
| सूर्य के अंश | 08:16:42 वृष |
| लग्न के अंश | 15:00:27 तुला |

### अवकहड़ा चक्र

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | तुला - शुक्र |
| **राशि-स्वामी** | **कन्या - बुध** |
| **नक्षत्र-चरण** | **चित्रा - 2** |
| नक्षत्र स्वामी | मंगल |
| योग | व्यतिपात |
| करण | बालव |
| गण | राक्षस |
| योनि | व्याघ्र |
| नाड़ी | मध्य |
| वर्ण | वैश्य |
| वश्य | मानव |
| वर्ग | मूषक |
| युँजा | मध्य |
| हंसक | भूमि |
| जन्म नामाक्षर | पो-पौरुष |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | लौह - रजत |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | मिथुन |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | तुला | 15:00:27 | 313:47:27 | स्वाति | 3 | 15 | शुक्र | राहु | केतु | --- |
| सूर्य | | | वृष | 08:16:42 | 00:57:40 | कृतिका | 4 | 3 | शुक्र | सूर्य | शुक्र | शत्रु राशि |
| चंद्र | | | कन्या | 27:29:59 | 14:37:42 | चित्रा | 2 | 14 | बुध | मंगल | गुरु | मित्र राशि |
| मंगल | | | मिथु | 02:48:33 | 00:39:40 | मृगशिरा | 3 | 5 | बुध | मंगल | शुक्र | शत्रु राशि |
| बुध | व | अ | वृष | 14:00:29 | 00:29:22 | रोहिणी | 2 | 4 | शुक्र | चंद्र | गुरु | मित्र राशि |
| गुरु | | | मिथु | 21:00:49 | 00:11:31 | पुनर्वसु | 1 | 7 | बुध | गुरु | गुरु | शत्रु राशि |
| शुक्र | | | मिथु | 09:36:38 | 01:11:47 | आर्द्रा | 1 | 6 | बुध | राहु | गुरु | मित्र राशि |
| शनि | | | वृष | 22:22:29 | 00:07:39 | रोहिणी | 4 | 4 | शुक्र | चंद्र | शुक्र | मित्र राशि |
| राहु | व | | वृष | 24:00:51 | 00:01:51 | मृगशिरा | 1 | 5 | शुक्र | मंगल | मंगल | मित्र राशि |
| केतु | व | | वृश्चि | 24:00:51 | 00:01:51 | ज्येष्ठा | 3 | 18 | मंगल | बुध | मंगल | मित्र राशि |
| हर्ष | | | कुंभ | 04:54:17 | 00:00:31 | धनिष्ठा | 4 | 23 | शनि | मंगल | सूर्य | --- |
| नेप | व | | मक | 17:04:07 | 00:00:19 | श्रवण | 3 | 22 | शनि | चंद्र | शनि | --- |
| प्लूटो | व | | वृश्चि | 22:46:47 | 00:01:33 | ज्येष्ठा | 2 | 18 | मंगल | बुध | चंद्र | --- |
| दशम भाव | | | कर्क | 17:33:42 | -- | आश्लेषा | -- | 9 | चंद्र | बुध | बुध | -- |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

**चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:53:08

## लग्न-चलित

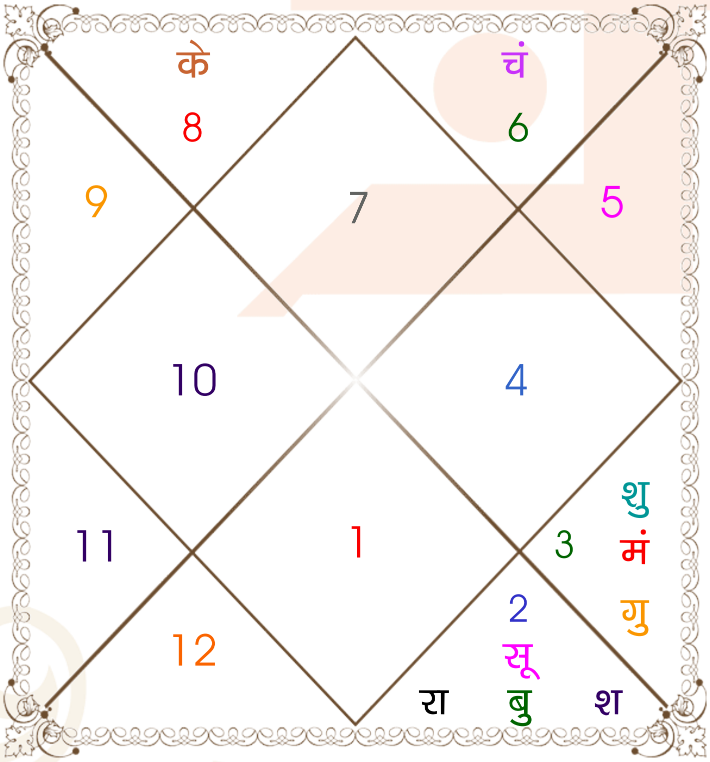


## चन्द्र कुंडली

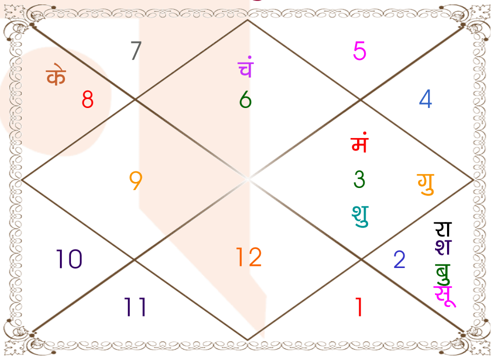


## नवमांश कुंडली

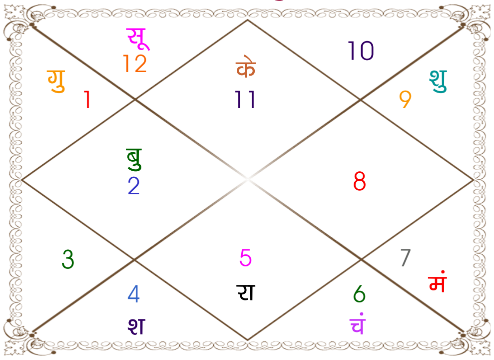

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 9 मास 22 दिन

| मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 23/05/2002 | | 16/03/2007 | | 16/03/2025 | | 16/03/2041 | | 15/03/2060 | |
| 16/03/2007 | | 16/03/2025 | | 16/03/2041 | | 15/03/2060 | | 16/03/2077 | |
| | 00/00/0000 | राहु | 26/11/2009 | गुरु | 04/05/2027 | शनि | 18/03/2044 | बुध | 12/08/2062 |
| | 23/05/2002 | गुरु | 21/04/2012 | शनि | 14/11/2029 | बुध | 26/11/2046 | केतु | 09/08/2063 |
| गुरु | 06/08/2002 | शनि | 26/02/2015 | बुध | 20/02/2032 | केतु | 05/01/2048 | शुक्र | 09/06/2066 |
| शनि | 15/09/2003 | बुध | 14/09/2017 | केतु | 26/01/2033 | शुक्र | 07/03/2051 | सूर्य | 15/04/2067 |
| बुध | 11/09/2004 | केतु | 03/10/2018 | शुक्र | 27/09/2035 | सूर्य | 17/02/2052 | चंद्र | 14/09/2068 |
| केतु | 07/02/2005 | शुक्र | 02/10/2021 | सूर्य | 15/07/2036 | चंद्र | 17/09/2053 | मंगल | 11/09/2069 |
| शुक्र | 09/04/2006 | सूर्य | 27/08/2022 | चंद्र | 14/11/2037 | मंगल | 27/10/2054 | राहु | 30/03/2072 |
| सूर्य | 15/08/2006 | चंद्र | 26/02/2024 | मंगल | 21/10/2038 | राहु | 02/09/2057 | गुरु | 06/07/2074 |
| चंद्र | 16/03/2007 | मंगल | 16/03/2025 | राहु | 16/03/2041 | गुरु | 15/03/2060 | शनि | 16/03/2077 |

| केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 16/03/2077 | | 15/03/2084 | | 16/03/2104 | | 17/03/2110 | | 16/03/2120 | |
| 15/03/2084 | | 16/03/2104 | | 17/03/2110 | | 16/03/2120 | | 00/00/0000 | |
| केतु | 12/08/2077 | शुक्र | 16/07/2087 | सूर्य | 04/07/2104 | चंद्र | 15/01/2111 | मंगल | 12/08/2120 |
| शुक्र | 12/10/2078 | सूर्य | 15/07/2088 | चंद्र | 02/01/2105 | मंगल | 16/08/2111 | राहु | 31/08/2121 |
| सूर्य | 17/02/2079 | चंद्र | 16/03/2090 | मंगल | 10/05/2105 | राहु | 14/02/2113 | गुरु | 24/05/2122 |
| चंद्र | 18/09/2079 | मंगल | 16/05/2091 | राहु | 04/04/2106 | गुरु | 16/06/2114 | | 00/00/0000 |
| मंगल | 14/02/2080 | राहु | 16/05/2094 | गुरु | 21/01/2107 | शनि | 15/01/2116 | | 00/00/0000 |
| राहु | 03/03/2081 | गुरु | 14/01/2097 | शनि | 03/01/2108 | बुध | 16/06/2117 | | 00/00/0000 |
| गुरु | 07/02/2082 | शनि | 16/03/2100 | बुध | 09/11/2108 | केतु | 15/01/2118 | | 00/00/0000 |
| शनि | 19/03/2083 | बुध | 15/01/2103 | केतु | 17/03/2109 | शुक्र | 16/09/2119 | | 00/00/0000 |
| बुध | 15/03/2084 | केतु | 16/03/2104 | शुक्र | 17/03/2110 | सूर्य | 16/03/2120 | | 00/00/0000 |

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 9 मा 23 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।